



लोक सभा सचिवालय  
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध  
संसद भवन, नई दिल्ली  
**LOK SABHA SECRETARIAT**  
Press and Public Relations Wing  
Parliament House, New Delhi

## प्रेस विज्ञापित PRESS RELEASE

"सोशल मीडिया एजेंसियों को जिम्मेदार और जवाबदेह बनाना जरूरी है" : लोक सभा अध्यक्ष  
\* \* \*

"आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा जानकारी के दुरुपयोग को रोकने के लिए विश्वसनीय साइबर सुरक्षा विनियमन की आवश्यकता है: लोक सभा अध्यक्ष

\* \*

"लोक सभा अध्यक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर वैश्विक प्रतिबंध लगाने के लिए सहमति बनाने का आह्वान किया" : लोक सभा अध्यक्ष

\* \* \*

कैंप, ओटावा (कनाडा), 09 जनवरी, 2020 : लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 25वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) के दौरान 'संसदीय और अन्य संदर्भों में व्यक्तियों की सुरक्षा' विषय पर आयोजित कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इंटरनेट और विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साधनों के आने से लोगों के संसद से जुड़ने के तौर-तरीकों में नए परिवर्तन आए हैं। उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि इंटरनेट का विकास निसंदेह संसदों के लिए एक वरदान रहा है क्योंकि डिजिटल टेक्नोलॉजी ने उन्हें अधिक जटिल कार्य करने तथा उन्हें निरंतर आधुनिक बनाने में समर्थ बनाया है जिनके फलस्वरूप सदस्य विधायी कार्य पर लगातार नज़र रखने में सफल हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संसद की सक्रिय वेबसाइट हैं जिन पर विधायी कार्यवाहियों, प्रश्नों और वाद-विवाद, विधेयकों, सदस्यों, संसदीय समिति के प्रतिवेदनों आदि के बारे में व्यापक जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा, ई-संसद और ई-विधान के विकास से सदस्यों की कार्यकुशलता और बढ़ गई है और जन प्रतिनिधियों के रूप में उनके दायित्वों के निर्वहन का तौर-तरीका ही बदल गया है।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि सोशल मीडिया के विस्तार ने क्षेत्रीय सीमाओं की बाधाओं को समाप्त कर दिया है और दुनिया भर में संसदों और लोगों को एक साथ जोड़ा है, श्री बिरला ने कहा कि सोशल नेटवर्किंग से सुशासन को बढ़ावा देने, भ्रष्टाचार को उजागर करने और सरकारों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि डिजिटल साधनों ने न केवल संसदीय क्रियाकलापों और दस्तावेजों तक आम जनता की पहुंच को बढ़ाया है बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही में भी वृद्धि की है जिससे सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जन सेवाओं तक बेहतर पहुंच भी सुनिश्चित हुई है।

श्री बिरला ने सचेत किया कि सोशल मीडिया से जुड़ी वेबसाइट और एप्लिकेशन हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गई हैं, लेकिन इसके साथ ही, साइबर स्पेस के दुरुपयोग का जोखिम भी बढ़ गया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि जहां एक ओर इसने लोगों को सशक्त बनाया है, वहीं दूसरी ओर इसने साइबर अपराध से निपटने की चुनौतियां भी प्रस्तुत की हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सोशल मीडिया समाज के लिए कुछ गंभीर चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है जैसे साइबर बुलिंग; हैकिंग; एडिक्शन; धोखाधड़ी; सुरक्षा संबंधी मुद्दे और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे। इन नई सूचना प्रौद्योगिकियों में असामाजिक तत्वों द्वारा हैकिंग का खतरा बड़ी चुनौती है। अपनी पहचान छिपा सकने में सफल हो जाना और प्रादेशिक सीमाओं का न होना साइबर सुरक्षा के मामले में चिंता के विषय बन गए हैं क्योंकि आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा इसका इस्तेमाल आंकड़ों की चोरी करने, पहचान की चोरी करने और दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर बनाने के लिए किया जा रहा है। इसीलिए आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए विश्वसनीय साइबर सुरक्षा विनियमन की आवश्यकता उत्पन्न हो गई है।

श्री बिरला ने इस बात पर बल दिया कि यह बहुत जरूरी है कि संबंधित देशों के कानूनों का पालन करने के लिए सोशल मीडिया एजेंसियों को अधिक जवाबदेह तथा उत्तरदायी बनाया जाए। श्री बिरला ने कहा कि इस संबंध में भारत में हमारी अपनी सुसंगत साइबर सुरक्षा नीति है जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के अनुरूप है। इस क्षेत्र में बढ़ती हुई चुनौतियों का सामना करने के लिए देश नई इंक्रिप्शन प्रौद्योगिकियाँ और निजता संबंधी नीतियाँ तैयार कर रहा है।

लोक सभा अध्यक्ष ने यह उल्लेख किया कि भारत में बालकों के यौन उत्पीड़न को समाप्त करने के लिए विद्यमान कानूनों में कई परिवर्तन किए जा रहे हैं ताकि ऐसे कृत्यों के अपराधियों को कड़ा दंड मिल सके। इसके अलावा, चाइल्ड पोर्नोग्राफी को भी दंडनीय बनाया गया है। उन्होंने

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर वैश्विक प्रतिबंध लगाए जाने के लिए सहमति बनाने का भी आह्वान किया।

लोक सभा अध्यक्ष , श्री ओम बिरला और राज्य सभा के उप सभापति, श्री हरिवंश ने 'लाइटनिंग ऑवर' में आयोजित चर्चा में भी भाग लिया जहाँ राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों ने संवादपरक सत्रों में विधानमंडलों की वित्तीय स्वायत्तता, संसदीय प्रक्रियाएं और पद्धतियां, आदि जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया ।

“IT IS IMPORTANT TO MAKE SOCIAL MEDIA AGENCIES ACCOUNTABLE AND RESPONSIBLE”: LOK  
SABHA SPEAKER  
\* \* \*

“THERE IS NEED TO HAVE CREDIBLE CYBER SECURITY REGULATIONS TO PREVENT MISUSE BY  
TERRORISTS AND CRIMINALS”: LOK SABHA SPEAKER  
\* \* \*

“LOK SABHA SPEAKER CALLS UPON INTERNATIONAL COMMUNITY TO EVOLVE CONSENSUS FOR  
GLOBAL BAN ON CHILD PORNOGRAPHY”  
\* \* \*

Camp, Ottawa (Canada), 09 January 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, while speaking at the Workshop on the topic ‘Security of Individuals in the Parliamentary Context and Beyond’ at the 25th Conference of Speakers and Presiding Officers of the Commonwealth (CSPOC), observed that the advent of the internet and various social networking tools have brought forth new changes in the way Parliaments get connected and engaged with the people. He expressed the view that the growth of Internet has indeed been a boon for the Parliaments since the digital technology has enabled them to develop and modernize complex activities that help the Members to keep a constant eye on the legislative business. He noted that the Indian Parliament has dynamic websites rich in content that provides comprehensive information about the legislative proceedings – questions and debates, bills, members, parliamentary committee reports, etc. Further, the development of e-sansad and e-vidhan , besides making them more efficient, is also transforming the way people’s representatives are fulfilling their responsibilities.

Observing that the expansion of social media has transcended regional boundaries and connected Parliaments and peoples across the globe , Shri Birla said that social networking helps in furthering good governance, exposing corruption and checking the misuse of power by the governments. Shri Birla also said that digital means have not only increased the reach of the general public to the parliamentary activities and documents but have also increased

transparency and accountability, ensuring better access to public services provided by the Governments.

Shri Birla cautioned that the expansion of websites and applications related to social media have become an integral part of our lives but at the same time, it has increased the risk of misuse of cyberspace. He noted that while on the one side, this has empowered the people, on the other side, it has created challenges to deal with cyber crime. He underlined that social media poses some serious challenges to the society such as cyber bullying, hacking, addiction, frauds, security-related issues, and health issues. The threat of hacking of these new information technologies by anti-social elements poses a constant challenge. Also, the ability to conceal one's identity and non-existence of regional boundaries is a matter of concern in cyber security since terrorists and criminals use these to commit data theft, identity theft and to create malicious software. This has necessitated the need for having credible cyber security regulations to prevent their misuse by terrorists and criminals.

Shri Birla stressed that it is important that social media agencies are made more accountable and responsible to follow the laws of their respective countries. In this regard, Shri Birla said that India has a well-developed Cyber Security Policy that is in tune with national security and economic development. To deal with ever increasing challenges, the country is developing new encryption technologies and privacy policies.

Lok Sabha Speaker highlighted that, to eradicate sexual exploitation of children, several changes in the existing laws in India are being brought forth so that the perpetrators get harsher punishment. Further, child pornography has also been made punishable. He called upon international community to develop a consensus for a global ban on child pornography.

Later, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla and Deputy Chairman Rajya Sabha Shri Harivansh attended the discussions at the 'Lightening Hour' wherein Speakers from Commonwealth countries shared their views in interactive sessions on diverse issues like financial autonomy of Legislatures, parliamentary practices and procedures, etc.